अभ्यास पत्रक

पाठ – बड़े भाई साहब

नाम :- ………… कक्षा :- ………… अवधि :- ………….. अनुक्रमांक :- …….. प्राप्तांक :- …….

1. गद्यांश पढ़िए और उत्तर दीजिए – (3 अंक)

"मैं दो साल उसका छोटा होकर भी दो दरजे आगे निकल गया और अब तीन साल का अन्तर हो गया। लेकिन मैं अभी भी उसका छोटा भाई था, और वह मेरा बड़ा भाई था।"

1. कथन में कौन-कौन से दो चरित्र हैं?

उत्तर - ………
……

2. बड़ा भाई क्या बात कभी नहीं भूलता था?

उत्तर - ………
……

3. इस प्रसंग में छोटे भाई की कौन-सी भावना व्यक्त हुई है?

उत्तर - ………
……

2. Assertion-Reason आधारित प्रश्न – (2x1=2 अंक)

4. **कथन:** बड़े भाई साहब स्वयं भले ही पास न हों, पर दूसरों को पढ़ाई का उपदेश देते थे।
   कारण: वे पढ़ाई के अनुभव से अधिक नैतिक जिम्मेदारी और सिद्धांतों को महत्त्व देते थे।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही
5. **कथन:** छोटे भाई को भाई साहब का उपदेश समय के साथ बहुत प्रिय लगने लगा।
   कारण: वह जानता था कि यह सभी बातें मज़ाक के लिए कही जा रही हैं।
   (क) A: सही, R: सही और R कथन की सही व्याख्या है।
   (ख) A: सही, R: सही पर R कथन की व्याख्या नहीं है।
   (ग) A: सही, R: गलत
   (घ) A: गलत, R: सही

3. बहुविकल्पीय प्रश्न (MCQs) – (5x1=5 अंक)

6. प्रेमचंद की इस कहानी की प्रमुख विशेषता क्या है?
   (क) नीति प्रधान शैली (ख) हास्य-व्यंग्य शैली
   (ग) दार्शनिक शैली (घ) आध्यात्मिक शैली
7. छोटे भाई की पतंगबाज़ी में सबसे अधिक रुचि किस कारण थी?
   (क) वह परीक्षा से डरता था (ख) वह अधिक कल्पनाशील था
   (ग) वह खुला जीवन चाहता था (घ) पतंग उड़ाने में आनंद आता था
8. छोटे भाई की पढ़ाई का परिणाम क्या होता था?
   (क) वह फेल हो जाता था (ख) वह दो कक्षाएँ आगे था
   (ग) वह कक्षा में पीछे था (घ) वह स्कूल छोड़ देता है
9. बड़े भाई साहब किस कक्षा में लगातार फेल होते रहे?
   (क) आठवीं (ख) छठी (ग) नौवीं (घ) सातवीं

10. कहानी में बड़े भाई साहब का चरित्र किस भावना से ओतप्रोत है?

(क) संघर्ष और कठोरता (ख) ईर्ष्या और क्रोध

(ग) त्याग और उत्तरदायित्व (घ) उदासी और आलस्य

4. लघु उत्तरीय प्रश्न (प्रत्येक 2 अंक, कुल 6 अंक)

11. बड़े भाई साहब किसे शिक्षा के साथ आवश्यक मानते थे?

उत्तर - ....

....

....

12. बड़े भाई साहब पतंगबाज़ी से बच्चों को दूर क्यों रखना चाहते थे?

उत्तर - ....

....

....

13. छोटे भाई को किस बात से दुःख होता था?

उत्तर - ....

....

....

5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न – (4 अंक) *(उत्तर 100–120 शब्दों में दीजिए)*

14. प्रेमचंद ने इस कहानी में हास्य और व्यंग्य के माध्यम से किस प्रकार समाज में पढ़ाई और अनुशासन के प्रति दृष्टिकोण को उजागर किया है?

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

6. निबंधात्मक प्रश्न – (5 अंक) *(उत्तर 160–180 शब्दों में दीजिए)*

15. “बड़े भाई साहब केवल पढ़ाई का पाठ नहीं पढ़ाते, वे जीवन के अनुभव, अनुशासन और त्याग का भी पाठ पढ़ाते हैं” – इस कथन की पुष्टि कहानी के आधार पर कीजिए।

उत्तर - ....

....

....

....

....

....

....

....

....

egyanarchive

उत्तर कुंजी

1. बड़ा भाई और छोटा भाई – दोनों ही कहानी के केंद्रीय पात्र हैं।

2. कि वह अपने छोटे भाई से उम्र में बड़ा है, और उसे अनुशासन में रखना उसका काम है।

3. इसमें छोटे भाई की मान्यता झलकती है कि वह पढ़ाई में आगे निकलकर भी भाई को बड़ा मानता है।

4. (क)

5. (घ)

6. (ख)

7. (घ)

8. (ख)

9. (घ)

10. (ग)

11. वे अनुभव, अनुशासन, परिश्रम और मर्यादा को शिक्षा के साथ जरूरी मानते थे।

12. उन्हें लगता था कि खेलों में समय नष्ट होता है और यह छात्रों को पथभ्रष्ट कर देता है।

13. कि उसका बड़ा भाई पढ़ाई में पीछे रह गया है, फिर भी उसे बार-बार डाँटता है और डराता है।

14. प्रेमचंद ने इस कहानी में भारतीय मध्यवर्गीय परिवार में शिक्षा और भाई-भाई के रिश्ते को हास्य और व्यंग्य के माध्यम से चित्रित किया है। बड़े भाई साहब का गंभीर स्वभाव, पढ़ाई के प्रति समर्पण और डाँट-फटकार छोटे भाई के नटखट व्यवहार के विपरीत है। कहानी पढ़ने वाले को हँसी भी आती है और सोचने के लिए भी प्रेरित करती है कि केवल रट्टा और अनुशासन से सफलता नहीं मिलती, साथ ही समझदारी, रुचि और आत्मविकास भी जरूरी है।

15. "बड़े भाई साहब" कहानी में प्रेमचंद ने केवल एक शैक्षिक प्रसंग नहीं, बल्कि पारिवारिक रिश्तों और जीवन मूल्यों का चित्र खींचा है। बड़े भाई साहब पढ़ाई को सर्वोपरि मानते हैं, लेकिन उनका दृष्टिकोण केवल पाठ्यक्रम तक सीमित नहीं है। वे जीवन के अनुशासन, समय प्रबंधन और अनुभव को भी उतना ही महत्त्व देते हैं। वे पतंग उड़ाने, घूमने और खेलों से अपने छोटे भाई को दूर रखना चाहते हैं क्योंकि वे समझते हैं कि यह सब समय की बर्बादी है। छोटे भाई के साथ उनका व्यवहार कभी कठोर होता है, तो कभी स्नेहिल, लेकिन उनके हर शब्द में जीवन का एक पाठ छिपा होता है। उनका त्याग – अपने मन की इच्छाओं को दबाकर छोटे भाई को मार्ग दिखाना – उन्हें एक आदर्श बड़ा भाई बनाता है।